पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

देश की प्रगति और खुशहाली के लिए सबको मिलकर साथ चलना होगा - राज्यपाल

लखनऊः 18 मार्च, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज खाटू श्याम मंदिर के प्रागंण में नववर्ष चेतना समिति द्वारा आयोजित भारतीय नव वर्ष समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर डाॅ0 संयुक्ता भाटिया, डाॅ0 महेन्द्र सिंह ग्राम्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समिति के अध्यक्ष श्री गिरीश गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री गिरीश सिन्हा, संरक्षिका श्रीमती रेखा त्रिपाठी सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' को अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में राज्यपाल ने नववर्ष चेतना समिति की वेबसाईट, पंचांग व पत्रिका का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल ने देश एवं प्रदेशवासियों को भारतीय नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उसके इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवसंवत्सर को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डाॅ0 हेडगेवार का जन्मदिवस भी होता है। 1925 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। 93 वर्ष पूर्व डाॅ0 हेडगेवार ने जो पौधा रोपित किया था वह आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन के रूप में एक वट वृक्ष की तरह स्थापित है। उन्होंने कहा कि डाॅ0 हेडगेवार से प्रेरणा लेते हुए देश सेवा का संकल्प लेना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि देश की प्रगति और खुशहाली के लिए सबको मिलकर साथ चलना होगा। साथ चलने से शक्ति का निर्माण होता है। राज्यपाल ने कर्मपथ पर निरन्तर चलते रहने की प्रेरणा देने वाले शाश्वत संदेश 'चरैवेति! चरैवेति!!' की व्याख्या करते हुए कहा कि बैठे हुए व्यक्ति का भाग्य भी बैठ जाता है, खडे हुए व्यक्ति का भाग्य भी वृद्धि की ओर उन्मुख होता है, सो रहे व्यक्ति का भाग्य भी सो जाता है किन्तु सूर्य की तरह चलने वाले का भाग्य प्रतिदिन बढ़ता जाता है और वहीं वंदनीय होता है। उन्होंने कहा मनुष्य की सफलता निरन्तर चलते रहने में निहित है।

इस अवसर पर ग्राम्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डाॅ0 महेन्द्र सिंह ने नव वर्ष के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति और परम्परा पर आत्मविभोर कर देने वाला वक्तव्य दिया।

महापौर डाॅ0 संयुक्ता भाटिया सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (110/26)

'नव चैतन्य'
स्मारिका
का विमोचन
अग्निहोत्री-बन्धु
(श्री देवेश-राकेश अग्निहोत्री)
द्वारा सांस्कृतिक भजन-संध्या